जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 17 जुलाई 2020

छात्रों की रोज़गार क्षमता बेहतर बनाने के लिए जामिया मे ऑनलाइन 'समर स्कूल ऑन जॉब रेडीनेस' शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट सेल ने एक सप्ताह का "ऑनलाइन समर स्कूल ऑन जॉब रेडीनेस" कल से शुरू किया। कोविड-19 के कारण सिकुड़ते रोज़गार बाज़ार के बीच नौकरी के लिए छात्रों की बेहतर तैयारी के लिए यह समर स्कूल 24 जुलाई, 2020 तक जारी रहेगा।

विप्रो लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम (यूके) के ग्लोबल बिजनेस हेड, श्री अनीस खान, उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि थे और लंदन, यूके के प्रतिभागियों के साथ जुड़े थे।

अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने, "ग्लोबल इकोनॉमी के बदलते परिदृश्य में भविष्य के कौशल की आवश्यकता" विषय पर बहुत ही उपयोगी व्याख्यान दिया।

श्री खान ने किसी भी व्यक्ति और संगठन के लिए डेटा साक्षरता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इसे चैथी औद्योगिक क्रांति के लिए ईंधन करार दिया। उन्होंने कहा कि डेटा को मूल्यवान बनाने के लिए, संगठनों को ऐसे व्यक्तियों को नियुक्त करना चाहिए जिनके पास डेटा साक्षरता और कौशल है और जो डेटा को व्यापार मूल्य में बदल सकें।

उनके अनुसार, चैथी औद्योगिक क्रांति में डिजिटल उपकरण का एक ज़रूरी स्थान है, इसलिए यह हर उद्योग को प्रभावित करेगा। इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, ब्लॉक चेन वैगरहा, हर कामगार के रोजमर्रा के अनुभव का एक हिस्सा बन जाएगा।

श्री खान ने यह भी कहा कि कर्मचारियों को हर काम के बारे में तकनीकी कौशल की आवश्यकता होगी चाहे वह कार्य स्थल कारखाना हो या कानूनी फर्म। लोगों को इन उपकरणों से सहज होना होगा और उनके साथ काम करने के लिए कौशल विकसित करना होगा। हर काम के

लिए इन तकनीकों और तकनीकी कौशल के बारे में जागरूकता बेहद ज़रूरी होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मशीनें जटिल निर्णय लेने में पूरी तरह से इंसान की जगह नहीं ले सकती हैं लेकिन मशीनें ऐसी गति से डेटा का विश्लेषण करने में सक्षम हो सकती हैं जिसमें इंसान अक्षम है। लेकिन, मशीनों द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के साथ क्या करना है, इसके बारे में कई फैसले अभी भी मनुष्यों द्वारा ही किए जाने चाहिए।

श्री खान ने जोर दिया कि हमें बदलती दुनिया की रफ्तार के साथ खुद को परिवर्तनशील और लचीला बनाना है।

उन्होंने कहा, भले ही हमारे साथ कितनी ही मशीनें काम करती हों, फिर भी इंसान की रचनात्मकता उनसे बेहतर ही रहेगी। इसलिए यह जरूरी है कि सृजनात्मक इंसानों को संगठनों में तरजीह दी जाए।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने श्री खान का, उनके ज्ञान से भरपूर उद्घाटन भाषण के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कोविड-19 महामारी के हालात बेहतर होने पर, श्री खान को जामिया आने का निमंत्रण दिया।

प्रो अख्तर ने "ऑनलाइन समर स्कूल ऑन जॉब रेडीनेस" आयोजन के लिए जामिया के प्लेसमेंट सेल को बधाई दी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक